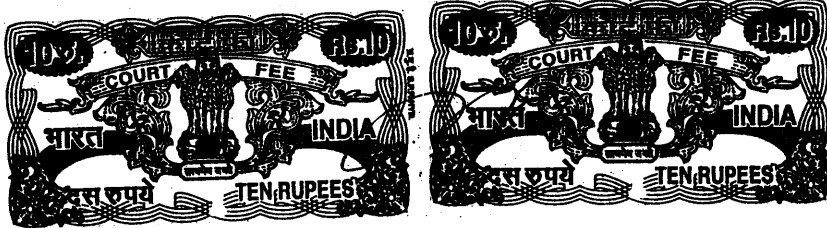


५५

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर सर्किल कोर्ट रीवा जिलारी वाम.प्र.



830
19-12-12

R-844-III/13

श्री अशोक सिंह
एड.व्हारा वशा
19-12-12
[Signature]

22-2-13

- | | |
|-------------------------|--|
| 1- अशोक कुमार सिन्हा, | चारो के पिता श्री रविचन्द्रबहादुरलाल सिन्हा, |
| 2- प्रकाशचन्द्र सिन्हा, | निवासी मकान नंबर इच.आई.जी. 5, आर.आई. |
| 3- अन्नि कुमार सिन्हा, | टी. कालोनी सिरमौर चौराहा के पास, रीवा, |
| 4- श्वेश कुमार सिन्हा, | तहसील हुजूर, जिला रीवा ₹म0प्र0 |

-----निगरानी कर्ता गण

बिबद्ध

- | | |
|---|--------------|
| 1- जगत बहादुर सिंह तनय श्री कमलेश्वर सिंह, निवासी गेंहलुनगर वार्ड क्र. 13 | |
| रीवा, तहसील हुजूर, जिला रीवा ₹म0प्र0 | ----- अनावेक |

तहसील दार, तहसील रायपुर कर्चुलियान,
जिला रीवा द्वारा राजस्व प्रकरण क्रमांक
12836/2011-12 में पारित आदेशा दिनांक
07/09/2012 के बिबद्ध निगरानीयाचिका.
अन्तर्गत धारा 50 भू. राजस्व संहिता।

मा न्यवर,

निगरानी के आधार :-

निगरानी कर्ता गण का विनम्र निवेदन नीचे लिखे अनुसार निम्न है :-

1- अधीनस्थ न्यायालय द्वारा पारित आदेशा विधि एवम् प्रक्रिया के बिबरीत होने के साथ ही अधिकारिता रहित है, इस कारण किसी भी दृष्टिकोण से स्थिर रखे जाने योग्य नहीं है।

2- तहसील रायपुर कर्चुलियान के न्यायालय में तहसीलदार के पद पर श्री बी.पी. त्रिपाठी पदस्थ थे, उनका हस्तांतरण हो जाने के कारण उन्हें उनके पद से दिनांक 06/09/2012 को ही भारमुक्त कर दिया गया था। इस कारण श्री बी.पी. त्रिपाठी तहसीलदार के हैसियत से दिनांक 07/09/2012 को कोई भी आदेशा पारित करने की अधिकारिता नहीं रखते थे। वे दिनांक 06/09/12 के बाद तहसील रायपुर कर्चुलियान के तहसीलदार नहीं रह जाने के कारण वे पीतामीन अधिकारी के हैसियत से कार्य करने हेतु तहसील कोर्ट गये ही नहीं थे।

[Handwritten mark]

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक... R. 844-11/13... जिला... सीपा

24

अशोक कुमार सिंह / जाह्नवहाडूर सिंह

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
<p>26.12.16</p> <p>(12)</p>	<p>1- आवेदकगण के अभिभाषक जी अबच्छेरा सिंह का आज मौखिक वरदान प्राप्त है इस प्रकार के मामले में चलाया जाये है</p> <p>2. वारे विचारार्थ</p> <p>पेशा हाजीर 18-1-17</p> <p>आवाजे</p>	
<p>18.1.17.</p>	<p>इसके अतिरिक्त अ- बख्शेरा सिंह उल्लेखित। इनके द्वारा प्रकृत चर्चे प्रकृत के अनुशेष किया अतिरिक्त अतिरिक्त के अनुशेष के अतिरिक्त प्रकृत चर्चे प्रकृत में समाप्त किया जाता है। प्रकृत उल्लेखित किया है।</p> <p>सिंह</p>	<p>अशोक कुमार सिंह</p>

✓